



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—भाग 3—उप-भाग (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 386]

नई विस्तीर्ण बृहस्पतिवार, विसम्बर 6, 1979/अग्रहायण 15, 1901

No. 386]

NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 6, 1979/AGRAHAYANA 15, 1901

इस भाग में भिन्न पाल संलग्न वी आती हैं जिससे कि वह अवगत संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर, 1979

सा. का. पि. 683(अ)।—केन्द्रीय सरकार, पुरावशेष संथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम, 1972 (1972 का 52) की धारा 31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पुरावशेष संथा बहुमूल्य कलाकृति नियम, 1973 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

(1) इन नियमों का नाम पुरावशेष संथा बहुमूल्य कलाकृति (संशोधन) नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति नियम, 1973 के नियम 2 के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“2. (क) किसी मानवीय कलाकृति के कलात्मक और सौंदर्य सम्बन्धी बोध के सम्बन्ध में रिपोर्ट देने के लिए विशेष समिति को निर्देश :—यदि केन्द्रीय सरकार किसी ऐसी मानवीय कलाकृति जिसे केन्द्रीय सरकार, अधिनियम की धारा 2 के संह (ए) के अधीन बहुमूल्य कलाकृति घोषित करने की प्रस्थापना करती है, वह राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, ऐसी घोषणा करने के अपने मार्ग की सूचना दे सकेगी और यह अपेक्षा कर सकेगी कि,—

सम्बन्धित अन्य बातों को ध्यान में रखते हुए ऐसा करना आवश्यक समझती है तो वह राजपत्र में अधिसूचना द्वारा एक समिति गठित कर सकेगी, जो ऐसी कलाकृतियों का विशेष ज्ञान रखने वाले सीन व्यक्तियों से मिल कर बनेगी। यह समिति कलाकृतियों के जिसे इस प्रकार घोषित किए जाने की प्रस्थापना कलात्मक और सौंदर्य सम्बन्धी बोध की बाबत रिपोर्ट देगी।

2. (ल) यह सुनिश्चित करने के लिए सूचना कि किसी कलाकृति का रचनिता जीवित है या नहीं :—

(1) यह अवधारित करने की दृष्टि से कि किसी मानवीय कलाकृति का, जिसे केन्द्रीय सरकार अधिनियम की धारा 2 के संह (ए) के अधीन बहुमूल्य कलाकृति घोषित करने की प्रस्थापना करती है, रचनिता जीवित है या नहीं, केन्द्रीय सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, ऐसी घोषणा करने के अपने मार्ग की सूचना दे सकेगी और यह अपेक्षा कर सकेगी कि,—

(क) यदि उसका रचनिता जीवित है तो वह राजपत्र में अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो मास के भीतर, केन्द्रीय सरकार को यह तथ्य बताए और अपना पता संसूचित करे ;

(b) यदि किसी अन्य व्यक्ति को यह जानकारी है कि ऐसा रचयिता गत 30 वर्ष के अन्दर जीवित था तो वह केन्द्रीय सरकार को उस रचयिता का नाम और यह तथ्य कि ऐसा रचयिता जीवित है और उसका पता बताएगा या, यथास्थिति उस तारीख की जिसको रचयिता अन्तिम बार जीवित देखा गया है और रचयिता के अन्तिम ज्ञात पते की जानकारी देगा।

(2) उप-नियम (1) के अधीन प्रकाशित सूचना की एक प्रति किसी भारतीय या विवेशी समाचार पत्र या पत्रिका में भी प्रकाशित की जा सकेगी।

[सं. 1/23/76-एन्ट.]

बाल कृष्ण थापर, महानिदेशक,
पद्म संशुद्धता समिक्षक

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th December, 1979

G.S.R. 683(E).—In exercise of the powers conferred by section 31 of the Antiquities and Art Treasures Act, 1972 (52 of 1972), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Antiquities and Art Treasures Rules, 1973, namely :—

(1) These rules may be called the Antiquities and Art Treasures (Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. After rule 2 of the Antiquities and Art Treasures Rules, 1973, the following shall be inserted, namely :—

"2A. Reference to committee of experts for report as to artistic and aesthetic value of any human work of art.—Where having regard to the nature and other matters pertaining to any human work of art which the Central Government proposes to declare to be an art treasure under clause (b) of section 2 of the Act the Central Government considers it necessary so to do, it may, by notification in the Official Gazette, constitute a committee consisting of not less than three persons having expert knowledge as to like works of art to consider and submit a report on the artistic and aesthetic value of the work of art so proposed to be declared.

2B. Notice for ascertaining whether the author of a work of art is alive.—(1) With a view to determining whether the author of any human work of art which the Central Government proposes to declare to be an art treasure under clause (b) of section 2 of the Act is alive, the Central Government may, by notification in the Official Gazette, give notice of its intention to make such declaration and require—

(a) that in case the author thereof is alive, he shall, within two months from the date of publication of the notification in the Official Gazette, communicate the fact and his address to the Central Government ;

(b) that any other person knowing such author to have been alive within thirty years, to make known to the Central Government the name of the author and the fact of the author being alive and his address or, as the case may be, the date on which the author was last seen alive and the last known address of the author.

(2) A copy of a notice published under sub-rule (1) may also be published in any Indian or foreign newspaper or journal.

[No. 1/23/76-Ant.]

B. K. THAPAR, Director General Archaeological Survey